कक्षा छठी

विषय हिंदी

पाठ 1 धरती को हम स्वर्ग बनाएं

बात पाठ की **(मुख से)**

प्रश्नों के उत्तर बताइए-

क) कवि क्या सौगंध लेने की बात कर रहे हैं?

उत्तर- कवि धरती को स्वर्ग बनाने की बात कर रहे हैं।

ख) धरती और मार्ग कैसे होने चाहिए?

उत्तर- धरती और मार्ग साफ और स्वच्छ होने चाहिए।

ग) सबसे अधिक भक्ति किसके लिए होनी चाहिए?

उत्तर- सबसे अधिक भक्ति राष्ट्र के लिए होनी चाहिए।

घ) हमें किस से धोखा नहीं करना चाहिए?

उत्तर- हमें प्रकृति से धोखा नहीं करना चाहिए।

कलम से (1) प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) धरती को स्वर्ग बनाने के लिए बाहरी आवरण कैसा होना चाहिए?

उत्तर- धरती को स्वर्ग बनाने के लिए बाहरी आवरण साफ तथा स्वच्छ होना चाहिए, सभी जगह हरियाली होनी चाहिए, बन– उपवन होने चाहिए, वहां के रहने वाले प्राणी खुश होने चाहिए।

ख) मर्यादा, अनुशासन और संस्कृति के लिए कवि की क्या–क्या कल्पनाएं हैं?

उत्तर- कवि प्रतिदिन राष्ट्रीय एवं सामाजिक मर्यादा, अनुशासन, संस्कृति एवं नारी का सम्मान देने की बात कहते हैं। वे इन गुणों को बढ़ावा देने की कल्पना करते हैं।

ग) देश में सभी धर्मों के लिए कैसी व्यवस्था होनी चाहिए?

उत्तर- कवि के अनुसार देश में सभी धर्मों के लिए समान व्यवहार तथा सम्मान का भाव होना चाहिए।

घ) देश में न्याय– व्यवस्था के विषय में कवि का क्या दृष्टिकोण है?
उत्तर- कभी का दृष्टिकोण यह है कि न्याय– व्यवस्था में शुचिता अर्थात पवित्रता होनी चाहिए। ताकि किसी के साथ भेदभाव या अन्याय ना हो।

ड़) लोगों के व्यवहार और आचरण के विषय में कवि क्या सोच रहे हैं?

उत्तर- कवि चाहते हैं कि लोगों का व्यवहार दोषरहित तथा आचरण बुरी आदतों से मुक्त रहे।

(2) काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

षड् रिपु औ' त्रिदोष............

.... धरती को हम स्वर्ग बनाएं।

क. त्रिदोष क्या है?

उत्तर - त्रिदोष अर्थात वात, पित्त तथा कफ़ संबंधी विकार से है।

ख. 'वहीं सवेरा जब हम जागे' यहां जागे से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- यहां जागे का अर्थ नींद से उठने मात्र से नहीं है बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णतः जागृत होने से है।

ग. हम प्रकृति को कैसे धोखा दे रहे हैं? सोचकर लिखिए।

उत्तर- हम प्रकृति को अनेक प्रकार से धोखा दे रहे हैं। जैसे-हमारे घर और उसके आसपास का वातावरण साफ ना करके, प्रदूषण करके, पेड़ों की कटाई करके, नदियों को गंदा करके आदि।

घ. हमें किनको बढ़ावा नहीं देना चाहिए?

उत्तर– हमें बुरी आदतों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

ङ. त्रिदेव किन्हें कहा जाता है?

उत्तर- त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश को कहा जाता है।